कामान्ध लीनू और लंड की लालसा

“अन्तर्वासना की सेक्स कहानियाँ पढ़ मेरी लालसा बढ़ती जा रही थी, सोचती कि किसी मर्द को फंसा कर उससे चुदवा लूँ और उस कहानी को अन्तर्वासना पर भेज दूँ। …”

Story By: loveleen Leenu (loveleena)
Posted: Thursday, November 3rd, 2016
Categories: इंडियन बीवी
Online version: कामान्ध लीनू और लंड की लालसा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कामान्ध लीनू और लंड की लालसा

मैं रोनी सलूजा आप सभी प्रिय पाठकों के लिए अब तक कई कहानियाँ प्रेषित कर चुका हूँ, बहुत से नियमित पाठक पाठिकाओं के मेल मुझे निरंतर आते रहते हैं, कुछ लोगों से लगातार पत्राचार भी होता रहता है।
आपका यह प्यार मेरे लिए अमूल्य है।

कई पाठक मुझसे नई कहानी लिखने की मांग करते रहते हैं परन्तु पिछले लम्बे अरसे से समयाभाव के कारण मैं अन्तर्वासना पर अपनी सेक्स कहानी भेजने में असमर्थ रहा।
उनमें से मेरी एक अन्तर्वासना पाठिका लवलीन लीनू के अनुभव की सच्ची कहानी लेकर आया हूँ जो उसने मुझे लिख भेजी और उसको मैं क्रमबद्ध तरीके से शब्दों में पिरोकर आपके समक्ष पेश कर रहा हूँ!

मेरी अन्य सभी कहानियों को पढ़ने के लिए मेरे इस लिंक को खोल कर पढ़ सकते हैं!

कहानी – लवलीन 'लीनू'
सम्पादक – रोनी सलूजा

मेरा परिचय बहुत संक्षिप्त सा है, लवलीन… जिसे प्यार से सभी लीनू कहते हैं।
मैं 26 वर्षीया सामान्य कद की, रंग गेहुँआ, कजरारी आँखों वाली, मझोले आकार के स्तन और उभरे नितम्ब वाली शादीशुदा गृहणी हूँ। मेरे पति नमित अच्छी नौकरी में हैं।

हम लोग शहर में किराये के फ्लैट में रहते हैं, शादी को तीन साल हो चुके हैं, अभी कोई बच्चा नहीं चाहते हैं।
मेरा ससुराल पास ही के गांव में है।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरे पति मुझे बहुत प्यार करते और भरपूर यौन संतुष्टि भी देते हैं।
पति के नौकरी पर जाने के बाद सभी गृहकार्यों से निवृत होकर कम्प्यूटर पर नेट चलाती और समय व्यतीत करती रहती हूँ।
झाड़ू, पौंछा, बर्तन और कपड़े धोने के लिए बाई आती है।

मैं अन्तर्वासना की सेक्स कहानियाँ नियमित पढ़ती हूँ और इनको पढ़कर उत्तेजित और आनन्दित होती रहती हूँ।
कहानियों को पढ़ते समय मेरी योनि हमेशा तर हो जाती है, लगता है कि जैसे मेरी योनि से खुशी के आंसू बह रहे हों।

इन कहानियों को पढ़ कर हमेशा मेरे मन में यह लालसा उत्पन्न होती कि कैसे एक पुरुष या महिला कई कई लोगों से यौन सम्बन्ध बनाकर विभिन्न तरीकों से मजे लूटते हैं।
कभी सोचती कि मैं भी ऐसा ही कुछ कर लूँ और मेरी भी कोई कहानी अन्तर्वासना पर आ जाये!

मैं अन्तर्वासना के कुछ लेखक व लेखिकाओं की कहानियों से बहुत प्रभावित हुई, उनकी बड़ी प्रशंसक हूँ, उनकी कहानियों ने मुझे बहुत उत्तेजित किया।

कुछ कहानियों के शीर्षक तो ऐसे हैं जो अपने आप में उत्तेजक हैं, और फिर उस कहानी को बिना पढ़े रहा नहीं गया।
मैंने उन कहानियों के सभी भागों को बड़े इत्मीनान से पढ़ा।

घर में अकेली होने की वजह से कहानी पढ़ते हुए पेंटी में हाथ डाल लेती हूँ।

कहानी लिखवाने के लिए मेरी लालसा बढ़ती जा रही थी, कभी सोचती कि किसी मर्द को फंसा कर उसके साथ खुलकर चुदवा लूँ और उस कहानी को अन्तर्वासना पर भेज दूँ।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

इसी दौरान एक लेखिका से भी मेरा मेल पर और मेस्सेंजर पर वार्तालाप हुआ।

जब मैंने अपने वासनामयी कुविचार उन्हें बताये तो उन्होंने मुझे समझाया कि कहानियों को पढ़कर अपना संयम खोना बहुत अहितकारी हो सकता है ! क्यों अपना जीवन बर्बाद करने पर तुली हो !

परन्तु मुझे कहानी तो लिखनी ही थी तो सोचा अपना अनुभव भी तो एक कहानी ही है जो आप सभी से साझा कर रही हूँ।

सेक्स और सम्भोग के बारे में कोई भी लेख या गुप्त जानकारी चोरी छिपे पढ़ने में मेरी रूचि हमेशा से ही रही है और अब तो अक्सर
अन्तर्वासना की कहानियाँ अकेली और बेफिक्र होकर पढ़ती हूँ।

इन कहानियों को पढ़ते हुए मैं अपने आप को कहानी की नायिका समझने लगती हूँ जैसे कि ये सब मेरे साथ ही हो रहा हो।

कई बार इन कहानियों को पढ़ते हुए मैं अपनी योनि में अंगुली अन्दर बाहर करती रहती और मटर जैसी शिश्निका को सहलाती रहती। जब कहानी का क्लाइमेक्स आता और नायक नायिका का स्खलन होने लगता, तब मेरी योनि भी संकुचन के साथ रसवर्षा कर देती है।

अन्तर्वासना की कहानियां पढ़ते मुसीबत तो तब हो जाती है जब किसी कहानी के नायक का लंड आठ से दस इंच लम्बा होता है, तब मेरी योनि की फड़कन बहुत ज्यादा बढ़ जाती है और अँगुलियों का तो जैसे मेरी योनि में कोई अस्तित्व सा नहीं रह जाता है और इस लीनू, जिसके नसीब में पति का लंड जो छह इंच से बड़ा लंड नहीं है, की तड़फ इस कदर बढ़ जाती है, जिसका मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

एक बार अन्तर्वासना की बहुत ही सेक्सी रुचिकर और आनन्दित कर देने वाली कहानी में नायक के 9 इंच लम्बे और मोटे तगड़े लंड की
कहानी को पढ़ते पढ़ते इतना उत्तेजित हो गई कि उस समय यदि पेपर वाला, दूध वाला या कोई सफाई कामगार भी मेरे घर आ जाता तो शायद उसकी खैर नहीं रहती… अपनी जवानी लुटाने के लिए आमादा हो चली थी काम वासना से दहकते हुए!

मैंने अच्छा बुरा सोचे बगैर ही वो मोटी और लम्बी मोमबत्ती, जिसे कभी कभी केंडल डिनर के लिए इस्तेमाल करते हैं, को हाथ में ले लिया, अपनी साड़ी को कमर तक उठाकर समेट लिया, अपनी गीली हो चुकी पेंटी को निकाल फेंका, जिस कुर्सी पर बैठकर कहानी पढ़ रही थी, उसी पर अपने दोनों पैर भी ऊपर रख लिए और जांघों को फैला दिया।
मेरी गीली योनि उजागर होकर खुल सी गई, योनि द्वार पर हवा की ठंडक महसूस होने लगी।

थोड़ी राहत महसूस करते हुए कहानी को आगे पढ़ने लगी।
जैसे ही कहानी के नायक ने अपने विशालकाय लंड को नायिका की चूत पर रखकर रगड़ना शुरू किया, मैं भी उस लम्बी मोटी मोमबत्ती से अपनी गीली योनि में मटर दाने को सहलाते हुए दबाव बनाने लगी।

जैसे ही नायक ने लंड का सुपारा चूत के अन्दर घुसाया वैसे ही यंत्रवत मेरे स्वचालित हाथों ने मोमबत्ती से मेरी छोटी सी योनि को भेद दिया और कहानी में नायिका इतनी जोर से शायद नहीं चीखी होगी जितनी जोर से मेरी चीख ‘उईइ माँ स्स्स्स्सी आअह्ह्ह…’ करके निकल गई।

मैं उस पल हुए दर्द के अहसास को नायिका के दर्द से तुलना करते हुए अपने स्तनों को सहलाते हुए महसूस करने लगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फिर जैसे ही थोड़ी देर बाद नायिका की चुदाई शुरू हुई तो मैं भी वासना के वशीभूत मन्त्रमुग्ध सी होकर मोमबत्ती को योनि में अन्दर बाहर करने लगी, सिसकारियों के साथ दर्द भरे मादक स्वर अपने आप मेरे मुख से निकलने लगे, जिनकी गति निरंतर बढ़ती गई।

और जैसे ही कहानी की नायिका ने चरमोत्कर्ष को प्राप्त कर अपने बाहुपाश में नायक को दबोच लिया, मेरी भी योनि ने दर्द के साथ रक्तमिश्रित रसवर्षा कर दी।

मुझे सचमुच बहुत दर्द हो रहा था, इतना दर्द मुझे पहली बार सम्भोग करते वक्त भी नहीं हुआ था।

झुककर देखा तो योनि अन्दर तक छिल सी गई थी, योनि मुख के आसपास लालिमा छाई हुई थी।

कहानी के नायक का स्खलन कैसे हुआ, यह जाने बगैर ही मैंने तुरंत कम्प्यूटर बंद करके बाथरूम में जाकर ठन्डे पानी से योनि को धोकर साफ किया।

अपनी कोमल और कमसिन सी योनि की इस बुरी हालत की जिम्मेवार में स्वयं थी जिसने अपनी योनि को बुर से भोसड़ा जैसा
कर लिया था।

शाम तक मेरी बुर सूज कर लाल हो गई और टीस भरे दर्द के साथ हरारत सी हो चली थी। मैंने एक दर्द निवारक गोली खाकर एन्टीसेप्टिक क्रीम अपनी योनि में अन्दर बाहर लगा ली।

रात में नामित ने मुझे हमेशा की तरह अपनी ओर खींचना चाहा तो मैंने उन्हें बुखार का वास्ता देकर अपने आप को बचा लिया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जैसे तैसे रात गुजर गई, नमित के ऑफिस जाते ही मैं अपनी योनि की सेवा सुश्रुषा में जुट गई।
उस दिन मैंने कोई कहानी नहीं पढ़ी बस इंटरनेट पर योनि की देखभाल सम्बंधित लेख पढ़ती रही।

मुझे पता था आज नामित मुझे बक्शने वाला नहीं हैं, बकरे की अम्मा कब तक खैर मनाएगी!

इसलिए रात को बिस्तर पर जाने से पहले ही अपनी सूजी हुई योनि को जिसमें अंगुली डालने में भी दर्द हो रहा था, अन्दर तक तेल से भिगो दिया और ब्लाउज़ पेटीकोट पहने बिस्तर में जा घुसी।

आज तो मन ही मन डर भी लग रहा था, जैसे पहले सम्भोग में दर्द हुआ था, आज तो उससे भी ज्यादा तकलीफ होने वाली थी।

मैं उस घड़ी को कोस रही थी जब मैंने उतनी बड़ी और मोटी मोमबत्ती को लंड समझ कर अपनी बुर का सत्यानाश किया था।

पलंग पर नामित टी वी देखते हुए मेरा इंतजार ही कर रहे थे, उनका कच्छा तम्बू नुमा हो रहा था।
यह हिन्दी सेक्स कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

मेरी अपनी सूजी हुई योनि का ख्याल आते ही मेरी रूह तक कांप गई!
कैसे अपने आप को बचाऊँ?

फिर एक तरकीब सोचते हुए मैंने एक निरोध निकाल कर नामित के लंड पर चढ़ा कर अपने हाथों में लेकर उसे सहलाने लगी और

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बार बार होंठों से चूमते हुए मुठ मारने लगी ताकि वो स्खलित हो जाये और मेरी सूजी हुई बुर फटने से बच जाये।

मैंने उनके लंड को कभी चूसा नहीं था लेकिन उसे चूमा कई बार था।
अन्तर्वासना की कहानियों में लंड चूसना पढ़ चुकी थी तो उनके लिंग को सहलाते चूमते हुए अपने मुख के अन्दर लेकर जिह्वा से सुपारे को चाटते हुए चूसने लगी।

दर्द के बाबजूद भी मेरी योनि में फड़कन के साथ गीलापन बढ़ने लगा।

नामित को इस कामक्रीड़ा में मजा आ रहा था, वो आश्चर्य चकित थे यह देखकर कि अब से पहले मैंने उनका लिंग सिर्फ चूमा ही था कभी मुख में नहीं डाला था!

मेरी मज़बूरी आप सभी समझ रहे हैं पर मैं उन्हें नहीं बता सकती थी।

मैंने अपने होंठो से लंड को इस तरह से जकड़ा कि उसे चारों तरफ से कोमल रगड़ का अहसास होने लगा और मुंह के अन्दर जिह्वा से उनके सुपारे को रगड़ दे रही थी।

2–3 मिनट में ही उनकी सांसों ने तेजी पकड़ ली, उनका लंड झटके लेने लगा, उन्होंने मेरा सिर थाम लिया।

मैंने महसूस किया कि हर झटके के साथ वीर्य की पिचकारी छुट रही थी।
गनीमत थी कि निरोध के कारण मुंह के अन्दर वीर्य नहीं गया!

इनके स्खलन से मेरी जान में जान आ गई, सोचा अब मेरी बुर भले ही पेंटी सहित गीली हो चुकी, परन्तु अत्याचार से बच गई!

नामित ने मुझे अपनी बाँहों में भर लिया बोले- आज तुमसे मुझे परमानन्द प्राप्त हुआ!
कहते हुए मेरे ब्लाउज़ और ब्रा उतार दिए और मेरे स्तनों को मसलते हुए चूसने लगे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरे रोकने पर भी पेटीकोट को उपर पेट तक सरका कर पेंटी उतार डाली और मेरी गीली चूत को सहलाते कर एक अंगुली घुसा कर अन्दर बाहर चलने लगे।

मैं दर्द से उछल पड़ी लेकिन फिर भी कुछ कह न सकी।

दस पन्द्रह मिनट में ही उनका लिंग पुन: पूर्णाकार लेकर फुफकारने लगा।

मुझे पता था कि नामित दूसरी बार करते तो बहुत देर तक करते हैं।
मेरी तो मति ही मारी गई थी… पता नहीं मैं अपने ही बनाये जाल में क्यों फंस जाती हूँ!

उन्होंने मुझे चित्त लेटाकर मेरी टांगों को फैला दिया और मेरे ऊपर चढ़कर एक हाथ से अपना लंड मेरी योनि पर रगड़ने लगे और होंठों से मेरे स्तन का निप्पल मसलने लगे।

मेरी योनि में कुलबुलाहट बढ़ गई लेकिन सूजी हुई चूत के दर्द का सोच नामित का छह इंच का लंड भी भीमकाय लग रहा था।

पर अब कोई विकल्प नहीं था।
आसमान से गिरी तो खजूर पे अटक गई थी और खजूर के कांटे तो सहन करना ही पड़ेंगे!

नामित ने अपने लंड को मेरी योनि से बहते रस में लिथोड़कर गीला किया और मेरी चूत के मुहाने पर रखकर पेल दिया।
मेरी घुटी हुई चीख निकल गई, बोली- थोड़ा धीरे करो!

फिर नामित मेरे गालों और होंठों को चूमते हुए स्तनों को सहलाते रहे।

जब थोड़ी राहत सी हुई तो उन्होंने अपना लंड अन्दर बाहर करना शुरू कर दिया।
मैं अपने दांतों को भींचकर दर्द और जलन को पीने की कोशिश में लगी रही।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लग रहा था जैसे कोई बहुत बड़ा और गर्म मूसल मेरी चूत में मसाला कूट रहा हो!

थोड़ी देर बाद मेरी बुर में गीलापन और बढ़ गया तब कुछ राहत मिली और अच्छा लगने लगा।
नामित के लगातार लयबद्ध पेलमपेल से मेरा बदन ऐंठने लगा, मैं मुख से मादक सिसकारियों का प्रवाह करते हुए स्खलित हो गई।

मेरी चूत रस से सराबोर हो गई, इससे नामित का जोश और बढ़ने लगा और जोरदार घुर्राती ध्वनियों के साथ अपने वीर्य से मेरी योनि को भर दिया!
थोड़ी देर बाद नहानी में जाकर अपनी चूत को ठन्डे पानी से धोया और एंटीसेप्टिक क्रीम लगा ली।

मुझे अहसास हुआ कि आज की चुदाई वाकई पहली चुदाई जैसी जिसमें एक डर, एक पीड़ा, पूर्ण यौनानन्द की अनुभूति और मजेदार भी रही।

यह सम्भोग मुझे जीवन पर्यंत याद रहेगा!

मेरी कहानी पढ़ने वाले दोस्तो, यह मेरी कहानी है, मेरी कहानी लिखने की तमन्ना पूर्ण हुई।
लेखक रोनी सलूजा को मेरी कहानी लिपिबद्ध करने के लिए धन्यवाद!
धन्यवाद उन सभी लेखक और लेखिकाओं का जिन्होंने मेरा मार्गदर्शन किया।

आप सभी अपनी प्रतिक्रियायें मुझे इमेल कर सकते हैं।
loveleena.390@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

पहली बार नंगी भाभी की चूत के दर्शन और चुदाई

मेरा नाम सत्यम है, 20 साल का एक नौजवान हूँ। मैं औरंगाबाद महाराष्ट्र में रहता हूँ, देखने में काफी सुंदर हूँ.. पर अभी तक किसी लड़की के साथ मेरा चक्कर नहीं था। मैंने अन्तर्वासना की सभी कहानियाँ पढ़ी हैं। इसकी […]
Full Story >>>

चुदाई की भूखी लौंडिया की मस्त दास्तान-1

चुदाई पसंद सभी महिलाओं एंड पुरुषों को मेरा नमस्कार ! मैंने हजारों सेक्सी कहानियां पढ़ी हैं। भारत में एक स्थान से छपने वाली सेक्सी हिंदी पत्रिकाओं में 1980 और 1990 के दशक में सैकड़ों कहानियां लिखी भी हैं। अब लिखने की […]
Full Story >>>

मेरी चुदासी बहन की चूत की चुदाई

भाई-बहन की चुदाई की कहानियां मैं अन्तर्वासना पर कई साल से पढ़ रहा हूँ। मैं अपनी बहन पर नज़र रखता था, उसकी जवानी देख सोचता था कि अपनी बहन की चूत चुदाई का अवसर मिले ! मेरा नाम यशदीप है, पानीपत […]
Full Story >>>

पुलिस वाली की चूत का चक्कर-3

आपने अब तक पढ़ा.. हम तीनों की अन्तर्वासना और रासलीला अपने पूरे यौवन पर थी। अब आगे.. लोग सही कहते हैं कि हर काम के लिए अनुभव जरूरी होता है.. जो मुझे इन दोनों में दिख रहा था। फ़िर कुछ […]
Full Story >>>

पुलिस वाली की चूत का चक्कर-2

अब तक आपने पढ़ा.. मैं कंप्यूटर सुधारने गया था। वहाँ उन दो गर्म चुदासी औरतों ने मेरे लौड़े के साथ हरकत करना शुरू कर दी थी। अब आगे.. मैं जो अब ये सब सहन कर रहा था.. अचानक मैंने उन […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Indian Gay Site

#1 Gay Sex and Bisexual Site for Indians.

Indian Porn Live

Go and have a live video chat with the hottest Indian girls.

Antarvasna

अन्तर्वासना के पाठकों के प्यार ने अन्तर्वासना को दुनिया की सर्वाधिक पढ़े जाने वाली सर्वश्रेष्ठ हिन्दी व्यस्क कथा साईट बना दिया है। अन्तर्वासना पर आप रोमांटिक कहानियाँ, सच्ची यौन घटनाओं पर आधारित कहानियाँ, कपोल कल्पित सेक्स कहानियाँ, चुटकले, हास्य कथाएँ पढ़ रहे हैं। Best and the most popular site for Hindi Sex Stories about Desi Indian Sex. अन्तर्वासना पर आप भी अपनी कहानी, चुटकले भेज सकते हैं!

Bangla Choti Kahini

বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফন্টে বাংলাদেশী সেক্স ষ্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

Pinay Sex Stories

Araw-araw may bagong sex story at mga pantasya.

Indian Sex Stories

The biggest Indian sex story site with more than 40 000 user submitted sex stories. Go and check it out. We have a story for everyone.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire